केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 244 सोमवार 30 मार्च 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पत्नी से तलाक मिला तो दण्डवत यात्रा कर पति ने पूरी किया मनौती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 25 वर्षीय युवक ने निर्जला व्रत रखा। 'जय श्री राम' और 'जय बजरंगबली' के जयकारे लगाते हुए वह 9 किलोमीटर की दंडवत यात्रा कर 12 घंटे में समय माता के मंदिर पहुंचा। मंदिर में पहुंचकर उसने मत्था टेका, नारियल फोड़ा और विधि–विधान से पूजा–अर्चना की। इस दौरान परिजन भी साथ रहे। युवक ने अपनी दंडवत यात्रा के लिए बाकायदा एसडीएम और थाने से अनुमति भी ली थी।

युवक ने बताया कि उसने पत्नी से छुटकारा पाने के लिए मंदिर में मन्नत मांगी थी, जिसे माता ने स्वीकार कर लिया और उसे तलाक मिल गया। यह मामला शनिवार का है, जो जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर सोनहा थाना क्षेत्र का है। इसका वीडियो रविवार को सामने आया। युवक की पहचान नरखोरिया गांव के जोगेश के रूप में हुई है। उसकी शादी 2022 में हुई थी और जनवरी 2026 में उसका तलाक हो गया।

बीटेक छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नोएडा के सेक्टर–24 थाना क्षेत्र स्थित अमौर सोसायटी में शनिवार रात एक बीटेक छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।बस्ती जनपद के मुंडेरवा कस्बा निवासी 21 वर्षीय अर्पिता जायसवाल 28वीं मंजिल से गिरने के बाद मौके पर ही मृत पाई गईं।

अर्पिता जायसवाल पानीपत में बीटेक की पढ़ाई कर रही थीं। वह इन दिनों अपनी बड़ी बहन साक्षी जायसवाल के पास नोएडा आई हुई थी। वह अमौर सोसायटी में रहकर पढ़ाई करती हैं। घटना के समय अर्पिता के पिता संजय जायसवाल भी फ्लैट पर मौजूद थे।

परिवार में संजय जायसवाल की तीन पुत्रियां और एक पुत्र है। सबसे बड़ी पुत्री साक्षी नोएडा में, अर्पिता पानीपत में और सबसे छोटी पुत्री आंशिका कानपुर में पढ़ाई कर रही है। पुत्र अक्षत जायसवाल और उनकी पत्नी मुंडेरवा स्थित घर पर रहते हैं।

घटना की सूचना मिलते ही मुंडेरवा में रह रही अर्पिता की मां, भाई और अन्य परिजन तत्काल नोएडा के लिए रवाना हो गए। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह मामला आत्महत्या का है या कोई हादसा हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि घटना के कारणों का पता चल सके।

नौकरी दिलाने के नाम पर 18 लाख की धोखाधड़ी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती जिले के नगर थाना क्षेत्र में नौकरी दिलाने के नाम पर 18 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने थानाध्यक्ष को शिकायत पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बसडीला निवासी विकास सिंह ने आरोप लगाया है कि उनके परिचित लोरिकपुर (थाना नगर) निवासी विकास पाण्डेय और विवेक पाण्डेय ने उनके साथ धोखाधड़ी की है। विकास सिंह के अनुसार, 21 जुलाई 2022 को विकास पाण्डेय ने अपने बड़े भाई विवेक पाण्डेय की नौकरी लगवाने के बहाने उनसे कुल 18 लाख रुपये लिए थे।

अमेरिका में निकली ट्रंप के खिलाफ रैली

वाशिंगटन (आभा)। ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष के बीच अमेरिका और यूरोप में हजारों लोगों ने सड़कों पर उतरकर 'नो किंग' नाम से बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए। ये प्रदर्शन डोनाल्ड की नीतियों खासकर ईरान के साथ चल रहे युद्ध और उनकी आक्रामक राजनीतिक शैली के खिलाफ आयोजित किए गए। इन रैलियों ने न केवल अमेरिका बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी व्यापक ध्यान आकर्षित किया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि ट्रंप के फैसलों ने मध्य–पूर्व में तनाव बढ़ा दिया है, जिससे वैश्विक ऊर्जा कीमतों में उछाल आया है और दुनिया भर में आर्थिक अनिश्चितता बढ़ी है। कई अर्थशास्त्रियों ने आशंका जताई है कि इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में धीमी वृद्धि, महंगाई में तेजी और यहां तक कि स्टैगफ्लेशन जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। इन विरोध प्रदर्शनों का केंद्र अमेरिका का मिनेसोटा राज्य रहा, जहां हजारों लोग एकजुट होकर ट्रंप की इमिग्रेशन नीति के खिलाफ खड़े नजर आए। लोगों ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के रूप में पेश किया और सरकार की नीतियों को चुनौती दी।

'नो किंग' रैलियों के आयोजकों के अनुसार, इससे पहले जून और अक्टूबर में हुए प्रदर्शनों में क्रमशः 50 लाख और 70 लाख लोग शामिल हुए थे। इस बार करीब 90 लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद जताई गई थी, हालांकि वास्तविक आंकड़े अभी स्पष्ट नहीं हैं। इन प्रदर्शनों में आव्रजन नीति, ट्रांसजेंडर अधिकारों में कटौती और ईरान युद्ध जैसे मुद्दे प्रमुख रहे।

जमीनी विवाद में अधिवक्ता के परिजनों को मारा पीटाः दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

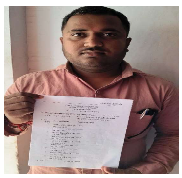

बस्ती। अधिवक्ता सत्येन्द्र कुमार मिश्र ने जमीनी विवाद को लेकर हुये मारपीट के मामले में दोषियों को गिरफ्तार किये जाने की मांग पुलिस प्रशासन से किया है। लालगंज थाना क्षेत्र के कोप निवासी सत्येन्द्र कुमार ने कहा है कि गत 18 मार्च को गांव के ही शिवचरन, दुर्योधन, अमृता, प्रिस, सरोज, शिवपत, गौरी, सरस्वती, रिशू, दुर्गावती, आंचल, नेहा, हिमांशु, रंजीत, संजीव, शिवमंगल, अनीता, सोनी आदि ने उनकी चाची सत्यवती मिश्रा सहित 5 लोगों पर जानलेवा हमला कर दिया। लालगंज पुलिस ने सत्येन्द्र कुमार मिश्र की तहरीर पर बीएनएस 109, 352, 333 आदि की धाराओं में नामजद मुकदमा दर्ज किया किन्तु 10 दिन की अवधि बीत जाने के बावजूद किसी की गिरफ्तारी न होने के कारण विपक्षियों का मनोबल बढ गया है और वे कोई और अनहोनी घटना घटित कर सकते हैं।

अधिवक्ता सत्येन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि कोप गांव में वे अपन जमीन में नीव चलवा रहे थे जिस पर शिवचरन, दुर्योधन, प्रिन्स आदि ने अनावश्यक विरोध किया और जान लेवा हमले पर उतारू हो गये। उन्होने मांग किया कि प्रकरण में दोषियों को गिरफ्तार कर उनके परिवार के जान माल की सुरक्षा सुनिश्चित करायी जाय।

ट्रैक्टर विवाद में वृद्ध की मौतः परिजनों ने शव के अंतिम संस्कार से इंकार किया

भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती।दुबौलिया थाना क्षेत्र के सेमरा मुस्तकम गांव में ट्रैक्टर विवाद में मारे गए 80 वर्षीय बुजुर्ग राम कुबेर का शव रविवार शाम गांव पहुंचा। परिजनों और ग्रामीणों ने मुख्य आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और उनके घर पर सरकारी ताला लगाने की मांग को लेकर अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया।

यह घटना शनिवार देर रात हुई थी, जिसके बाद रविवार को पूरे गांव में सन्नाटा पसरा रहा। शव के घर पहुंचने पर परिजनों, विशेषकर महिलाओं में चीख–पुकार मच गई और वे दहाड़ें मारकर रोने लगीं।

गांव में तनाव बढ़ने की सूचना पर दुबौलिया थानाध्यक्ष (ं) जीवन तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिवार को समझाने का प्रयास किया और न्याय का आश्वासन दिया। खबर लिखे जाने तक बुजुर्ग राम कुबेर का अंतिम संस्कार नहीं किया गया था।

नगर पंचायत नगर से रामधाम निशुल्क यात्रा को अध्यक्ष नीलम सिंह ने किया रवाना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पंचायत नगर बाजार से रामधाम निशुल्क यात्रा के चौथे चरण में श्रद्धालुओं का दल अयोध्या रवाना हुआ। पुष्प वर्षा और जय श्रीराम के उद्घोष के बीच रविवार को सुबह 8 बजे नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने सभी यात्रियों को अंग वस्त्र पहनाकर अभिनंदन किया। उन्होंने श्रद्धालुओं से भरी बस को भगवा ध्वज दिखाकर यात्रा का शुभारम्भ किया। श्रीमती राना ने कहा कि नगर पंचायत नगर देश की पहली नगर पंचायत है जहां प्रत्येक माह के अन्तिम रविवार को 60 वर्ष से अधिक उम्र के श्रद्धालुओं को निःशुल्क धार्मिक यात्रा कराई जाती है। यात्रियों उन्होंने बताया कि अयोध्या धाम स्थित श्री राम जन्मभूमि, श्री हनुमान गढ़ी, पुत्रेष्टि यज्ञ स्थली बस्ती के मखौड़ा धाम तथा श्रीराम की शिक्षा स्थली गुरु तीर्थ वशिष्ठ आश्रम बढ़नी मिश्र होकर यह यात्रा पुनः श्री दुर्गा मन्दिर नगर बाजार आकर पूर्ण होती है।

श्रीमती राना ने लोगों से अपील किया कि अपने घर के वरिष्ठों को इस यात्रा में सम्मिलित होने के लिए नगर पंचायत कार्यालय पर रजिस्ट्रेशन कराएं। उन्होंने कहा कि सेवा और विकास के पैमाने पर नगर को देश में मॉडल नगर बनाना हमारा लक्ष्य है। उत्तर प्रदेश राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि अमर बलिदानी राजा उदय प्रताप नारायण सिंह और स्वाधीनता सेनानी सरजू भगत निषाद के ऐतिहासिक धरती की सेवा करना सौभाग्य की बात है। श्री राना ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि नगर पंचायत के चतुर्दिक विकास के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। इस अवसर पर सभासद राजेश पाण्डेय, राज कुमार चौधरी, अखिलेश यादव, सत्यराम निषाद, संजय सोनकर, राम सजन यादव, विजय जायसवाल, बिन्दू लाल, संदीप कुमार, विजय साहनी, देवेश धर द्विवेदी, राकेश कुमार पाण्डेय, देवेंद्र पाण्डेय सन्नी, सरोज देवी, विभा सिंह, श्रुति अग्रहरि, भरत राम, राम पाल प्रजापति, शेर सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

धर्मविहीन जीवन कभी उन्नति नहीं कर सकता–शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

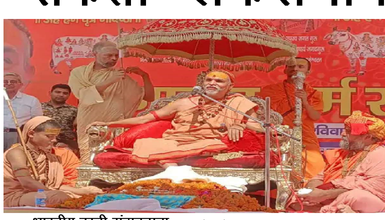

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राजकीय इंटर कॉलेज में रविवार को राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा की ओर से 'सनातन धर्म संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ज्योतिषमठ पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने उपस्थित लोगों को धर्म का महत्व समझाया और जीवन को धर्मनुकूल बनाने का संदेश दिया।

शंकराचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि धर्म के बिना किसी भी स्तर पर कल्याण संभव नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र तीनों का उत्थान तभी संभव है, जब जीवन में धर्म का समावेश हो। उन्होंने यह भी कहा कि यदि मनुष्य को ऊंचा उठना है तो उसे अपने जीवन में धर्म को अपनाना ही होगा, क्योंकि धर्मविहीन जीवन कभी उन्नति नहीं कर सकता।

धर्म की व्याख्या करते हुए उन्होंने बताया कि धर्म वह है, जिससे मनुष्य ऊंचा उठता है, जबकि अधर्म वह है, जो पतन का कारण बनता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि धर्म को जीवन से अलग नहीं किया जा सकता, क्योंकि यही मानव जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

राष्ट्र धर्म पर उठे एक सवाल का जवाब देते हुए शंकराचार्य ने स्पष्ट किया कि राष्ट्र केवल भौगोलिक सीमा नहीं है। उन्होंने इसे हमारी जीवन पद्धति और संस्कृति बताया। उनके अनुसार, जहां तक हमारी संस्कृति का विस्तार है, वहीं तक राष्ट्र की परिधि है। शंकराचार्य ने कहा, 'राष्ट्र हम हैं, राष्ट्र आप हैं। इसलिए, हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह राष्ट्र धर्म का पालन करे।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के संस्थापक अलंकार अग्निहोत्री का नाम परिवर्तित कर 'धर्मा अलंकार अग्निहोत्री' रखा गया। साथ ही, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल मिश्रा को 'धर्मभूषण' की उपाधि देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक कुशल तिवारी, कप्तानगंज से सपा विधायक कविंद्र उर्फ अतुल चौधरी, प्रशांत पाण्डेय, भृगुनंदन त्रिपाठी पंकज, संत प्रकाश और लल्लू पांडेय सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जो मुख्यमंत्री रहते हुए कभी नोएडा जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाए, वे विभाजनकारी राजनीति के लिए वहां पहुंच गए- योगी

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राजधानी लखनऊ में डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के 665 नवनियुक्त नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर उन्होंने अखिलेश यादव के नोएडा दौरे पर तंज कसते हुए कहा, 'जो मुख्यमंत्री रहते हुए कभी नोएडा जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाए, वे आज विभाजनकारी राजनीति के लिए वहां पहुंच गए हैं।' मुख्यमंत्री ने सपा शासनकाल की परियोजनाओं को भ्रष्टाचार का अड्डा बताते हुए जनता की गाढ़ी कमाई की 'डकैती' करार दिया। एक के बाद एक चुन–चुनकर अखिलेश यादव पर हमला किया।

सीएम योगी ने अखिलेश यादव के राजधानी में बनने वाले दो ड्रीम प्रोजेक्ट्स पर सवाल उठाते हुए कहा कि जेपीएनआईसी बिल्डिंग का डीपीआर मात्र 200 करोड़ रुपये था, लेकिन उस पर 800 करोड़ रुपये खर्च कर दिए गए और वह आज भी अधूरी है। इसी तरह गोमती रिवर फ्रंट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 300 करोड़ के प्रोजेक्ट पर 1400 करोड़ रुपये बहा दिए गए, फिर भी काम पूरा नहीं हुआ। योगी ने कड़े लहजे में कहा, ष्यह विकास नहीं, बल्कि जनता के पैसे की लूट है। ये लोग किस मुंह से विकास की बात करते हैं, इन्हें शर्म भी नहीं आती।'

सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले नौकरियां निकलते ही वसूली शुरू हो जाती थी। उन्होंने अमेठी की एक नवनियुक्त नर्सिंग अधिकारी का उदाहरण देते हुए कहा कि आज एक 'यादव बेटी' का चयन उसकी योग्यता पर हुआ है, जबकि पुरानी सरकार में बिना पैसे दिए यह संभव नहीं था। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि यदि युवाओं के भविष्य के साथ किसी ने खिलवाड़ करने की कोशिश की, तो उसकी वह हालत करेंगे जो नजीर बन जाएगी। उन्होंने गर्व से कहा कि यूपी अब 'बीमारू' राज्य से निकलकर देश का 'ग्रोथ इंजन' बन चुका है।दुनियाभर में जारी उथल–पुथल के बीच सीएम योगी ने देश में फैलाई जा रही अफवाहों पर जनता को सतर्क किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग लॉकडाउन लगने और सिलेंडर में गैस कम होने जैसी अफवाह फैला रहे हैं।

मेधावी छात्रों को पुरस्कृत कर बढाया हौसलाः सांस्कृतिक कार्यक्रमों में झूमा बचपन

भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी, (बस्ती)। रियासत इंटर कॉलेज एवं इकरा पब्लिक स्कूल, पंखोबारी बनकटी के परिसर में अभिभावक–शिक्षक बैठक एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा 9 तक के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को मेडल व प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर समाजसेवी अजय उपाध्याय द्वारा पुष्प अर्पित एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। संचालन प्रीति पाल ने और अध्यक्षता विद्यालय के प्रबंधक सदरे अयूब सिद्दीकी ने की।

विद्यालय के बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत गीत तथा देश का भविष्य, शिक्षा का महत्व, परिवार का महत्व, लड़कियों की शिक्षा, माता–पिता का सम्मान और पढ़ाई का उद्देश्य जैसे विषयों पर आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्हें उपस्थित अभिभावकों ने सराहा। सम्मानित होने वाले छात्र–छात्राओं में मंतशा, सोनम, ओम चौधरी, अविका, रंजना, शाद, गुलफ्शा, अंतिका, अमन, प्रियांशी, समीम और काजल आदि प्रमुख लोग रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक भी उपस्थित रहे।

विद्यालय के प्रबंधक सदरे अयूब सिद्दीकी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों के मनोबल को बढ़ाने के साथ ही उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने शिक्षा को जीवन की सफलता की कुंजी बताते हुए बच्चों को मेहनत और अनुशासन के साथ पढ़ाई करने की सलाह दी।

कार्यक्रम का संचालन कर रहीं प्रीति पाल ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ–साथ सांस्कृतिक गतिविधियां भी बेहद जरूरी हैं, जिससे उनमें आत्मविश्वास और व्यक्तित्व का विकास होता है।

इस अवसर पर वकील अहमद सिद्दीकी,साहब राम, सुरेंद्र कुमार, अजय पाल, वीरेंद्र सिंह, राकेश आयुष, दीपक, नंदिनी, शिवम, प्रदीप, प्रिंस, आर.पी. पाण्डेय सहित विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाएं एवं संभ्रांत लोग उपस्थित रहे।

वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम, बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

–सर्वांगीण विकास के लिए वार्षिकोत्सव महत्वपूर्ण मंच

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय भैंसा चौबे में विदाई समारोह एवं वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के उपाध्यक्ष दर्जा प्राप्त मंत्री महेश शुक्ल और कप्तानगंज विधायक कवींद्र चौधरी अतुल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके किया। अतिथियों ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा मानव जीवन की आधारशिला है, जो व्यक्ति के व्यक्तिगत, सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वार्षिकोत्सव कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए यह एक महत्वपूर्ण मंच है, जो उनके आत्मविश्वास, रचनात्मकता और टीम वर्क को बढ़ाकर उत्साह से भर देता है। इन कार्यक्रमों में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, नृत्य और नाटकों के माध्यम से बच्चे अपनी छिपी प्रतिभा को उजागर करते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ता है और वे नई जिम्मेदारियां सीखते हैं। विद्यालय के प्रधानाध्यापक राम सहाय के नेतृत्व में विद्यालय के स्टाफ अर्जुन प्रसाद, गुलाम अशरफ, मोहम्मद सलाम, उमेश चंद्र, लवकुश, अशोक पाण्डेय और गुड़िया देवी के द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। विद्यालय के बच्चे पूनम, अंशिका, लता, विकास, शाह साफिया, मारिया, आफरीन, हिमांशु, सुमित, आराध्या, आस्था, खुशी, आंचल, शिवांगी, साक्षी आदि द्वारा एक से एक बढ़कर गीत, नाटक, कव्वाली, कजरी आदि प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। उपस्थित जनसमूह ने बच्चों के कार्यक्रमों को जमकर सराहा। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, कजरी गीत, शिक्षा की दुकान नाटक, अंधविश्वास पर नाटक, सास बहू पर नाटक, कृष्ण सुदामा गीत, राधा कृष्ण गीत आदि एक से एक बढ़कर प्रस्तुति दी गई। बच्चों के शानदार कार्यक्रम पर उन्हें पुरस्कृत कर उनका हौसला बढ़ाया गया।

इस अवसर पर चेयरमैन चंद्र प्रकाश चौधरी, इं. वीरेंद्र मिश्र, लाल बहादुर सिंह, बीईओ विजय आनंद, राजेश कुमार चतुर्वेदी, डॉ दीनानाथ पटेल, समीर चौधरी, राम मनोहर चौधरी, आशुतोष यादव, मोहम्मद करीम, कपिल देव चौधरी, अहमद हुसैन, रामजतन यादव, भगत प्रधान, अनिल ओझा, रवीश मिश्र, संतोष शुक्ल, रामसागर वर्मा, विकास पाण्डेय, रामप्यारे कनौजिया, गिरजेश सिंह, डॉ श्री नारायन मिश्र, डॉ योगेश सिंह, अखिलेश सिंह, प्रमोद त्रिपाठी, स्कंद मिश्र, महेश कुमार, विजय राव, छोटेलाल, अफजल, राम तेज, राम जनक यादव, सियाराम चौधरी, शेषनाथ चौधरी, जितेंद्र चौबे, विक्रम प्रसाद, तूफानी यादव, गब्बर चौधरी, जय सिंह आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 30 मार्च 2026 सोमवार

सम्पादकीय

नोएडा एयरपोर्ट की उपलब्धि

एयरपोर्ट केवल आवागमन की सुविधा भर नहीं होते, वे प्रगति को नए पंख भी प्रदान करते हैं। यह एयरपोर्ट एनसीआर के साथ ही उत्तर प्रदेश के एक बड़े क्षेत्र के लिए उपलब्धि भी है और अवसर भी। इसके भरे—पूरे आसार दिख रहे हैं कि नोएडा एयरपोर्ट इस क्षेत्र के विकास को नई गति प्रदान करने के साथ ही यहां के युवाओं एवं कारोबारियों को तरक्की के नए अवसर भी प्रदान करेगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ उत्तर प्रदेश पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला देश का पहला राज्य बन गया है।

निःसंदेह यह भी उत्तर प्रदेश के लिए एक उपलब्धि है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि पिछले कुछ समय से देश में हवाई अड्डों की संख्या तेजी के साथ बढ़ी है। आज से 15 साल पहले देश में लगभग 75 एयरपोर्ट थे, आज उनकी संख्या 160 से अधिक हो चुकी है। इसका सीधा अर्थ है कि देश प्रगति कर रहा है और हवाई संपर्क नए—नए क्षेत्रों तक पहुंच रहा है। आज के युग में यह धारणा सही नहीं कि हवाई यात्रा सिर्फ धनी वर्ग के लिए ही संभव है। वास्तव में अब यह आम आदमी की भी जरूरत बन गई है।

इसमें संदेह नहीं कि देश में हवाई यात्रा सुविधा का विस्तार हो रहा है, लेकिन अभी उड्डयन क्षेत्र में काफी कुछ करने की आवश्यकता है। इसका संकेत प्रधानमंत्री के इस कथन से मिलता है कि अभी अपने देश में हवाई जहाजों की सर्विसिंग की पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं। यह आश्चर्यजनक है कि आज भी 85 प्रतिशत हवाई जहाजों को सर्विसिंग के लिए विदेश भेजना पड़ता है। यह अच्छा हुआ कि नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन के अवसर पर एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर, ओवरहाल) सुविधा का भी उद्घाटन हुआ।

यह सुविधा देश के अन्य हवाई अड्डों पर भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इसी के साथ इस पर भी सभी राजनीतिक दलों को आत्मचिंतन करना चाहिए कि आखिर बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं से जुड़ी परियोजनाओं की परिकल्पना एवं उनके क्रियान्वयन में इतना अंतर क्यों हो जाता है? नोएडा में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की स्थापना का प्रस्ताव 2001 में राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के तौर पर किया था। इसके बाद के मुख्यमंत्रियों ने भी पहल की, लेकिन किन्हीं कारणों से बात आगे नहीं बढ़ सकी और इस तरह 25 वर्ष की देर हुई। यह देर राष्ट्रीय संसाधनों पर भारी ही पड़ी।

दहेज प्रथा का कलंक और समाज

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि देश में सख्त कानूनी प्रावधानों के बावजूद दहेज के लिए विवाहिता की हत्या या उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने की घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। इक्कीसवीं सदी में शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में नए आयाम हासिल करने के बावजूद इस मामले में समाज के एक हिस्से की रूढ़िवादी मानसिकता नहीं बदली है। यही नहीं, कानूनों को सख्ती से लागू करने के मामले में भी विभिन्न स्तरों पर लापरवाही देखी जाती है, जिस कारण इस कुप्रथा की जड़ें नष्ट होने के बजाय गहरी होती जा रही हैं। इसका दंश महिलाओं के खिलाफ हिंसा और उत्पीड़न तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह उनकी जान पर भी भारी पड़ रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपने एक फैसले में इस पर गहरी चिंता जताई और दहेज के मामलों में महिलाओं की मौत की घटनाओं को समाज पर गहरा धब्बा करार दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस सामाजिक कुरीति के कारण आज भी हजारों महिलाएं बेमौत मारी जाती हैं।

सरकारी स्तर पर देश में दहेज प्रथा पर अंकुश लगाने के बड़े—बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन आंकड़ों से पता चलता है कि इसकी वास्तविक तस्वीर बेहद चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2023 में दहेज संबंधी अपराधों के तहत दर्ज मामलों में चौदह फीसद की बढ़ोतरी देखी गई है। देश भर में इससे संबंधित पंद्रह हजार से अधिक मामले दर्ज किए गए, जिनमें छह हजार से ज्यादा महिलाओं की मौत हो गई। जबकि वर्ष 2022 और 2021 में यह संख्या क्रमशरू 13,479 और 13,568 थी। सवाल है कि इस तरह की घटनाओं पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है? क्या वजह है कि दहेज प्रथा को बढ़ावा देने वालों में कानून का जरा भी खौफ नहीं है! इसके लिए निश्चित तौर पर कानून प्रवर्तन एजंसियों का ढुलमुल रवैया भी जिम्मेदार है। पुलिस की लापरवाही की वजह से कई बार दहेज से संबंधित मामलों के आरोपी अदालत में सबूतों के अभाव में बरी हो जाते हैं। कई दफा पीड़ित महिलाओं को शिकायत दर्ज कराने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, जो पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

दहेज प्रथा केवल सामाजिक बुराई ही नहीं, बल्कि मानवाधिकारों और गरिमा का भी गंभीर उल्लंघन है। मगर कई मामलों में पीड़ित महिलाओं के परिजन कानूनी जागरूकता की कमी और सामाजिक दबाव के कारण पुलिस में शिकायत तक दर्ज नहीं करा पाते। ऐसे में इस बात पर गहराई से विचार करने की जरूरत है कि क्या भौतिक वस्तुएं, पैसा और झूठी शान किसी महिला की जान से ज्यादा मूल्यवान है! इस बात पर भी गौर करना जरूरी है कि दहेज उत्पीड़न या हत्या के मामलों की शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया को आसान बनाया जाए और ऐसे मामलों को गंभीरता से लेकर उनकी गहन जांच की जाए।

इस तरह के मामलों की सुनवाई त्वरित अदालतों में की जानी चाहिए, ताकि पीड़ित पक्ष को जल्द न्याय मिल सके। इसके साथ ही सामाजिक स्तर पर भी जागरूकता और अन्य पहलों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है, जैसे महिलाओं को शिक्षित और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना तथा बेटियों को लेकर समानता आधारित दृष्टिकोण को धरातल पर सही मायने में अमल में लाना। सच यह है कि कानूनी सख्ती के समांतर जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक किसी भी कुरीति को पूरी तरह खत्म कर पाना संभव नहीं है।

जलवायु परिवर्तन से खतरे में सभ्यतायें

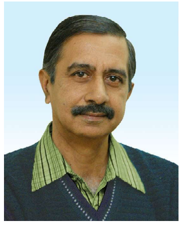

—मुकुल व्यास—

सूखा ही नहीं बहुत ज्यादा पानी भी उतना ही नुकसानदायक हो सकता है। शिजियाहे की कहानी सिर्फ यही कहती है कि समाज को अव्यवस्थित करने के लिए चरम जलवायु को रिकॉर्ड तोड़ने की जरूरत नहीं, उसे बस लंबे समय तक टिकने की जरूरत है।

मानव इतिहास में जलवायु का हमेशा से ही अहम रोल रहा है। अच्छी जलवायु में अनेक सभ्यताओं का उत्थान हुआ और जलवायु बिगड़ने पर कई सभ्यताओं का पतन हुआ। इतिहास में इसके अनेक उदाहरण मौजूद हैं। जब सही समय पर बारिश होती है, तो फसलें उगती हैं और शहर फलते—फूलते हैं। जब ऐसा नहीं होता, तो लोग दूसरी जगह चले जाते हैं। लगभग 4,200 साल पहले, धरती पर एक बड़ा जलवायु परिवर्तन हुआ था। मध्य पूर्व से लेकर एशिया तक की सभ्यताओं ने मुश्किलें झेलीं। मध्य चीन में, शिजियाहे संस्कृति के नाम से जाना जाने वाला एक बड़ा और संगठित समाज खत्म होने लगा। सालों तक शोधकर्ता इस बात पर बहस करते रहे कि शिजियाहे के पुराने शहर को क्यों छोड़ दिया गया था। पहले उनका शक सूखे पर था।

वैज्ञानिकों की एक टीम ने अब शिजियाहे के पतन का कारण यांग्त्जी वैली में बार—बार, लंबे समय तक होने वाली बारिश को बताया है। उनके नतीजों से पता चलता है कि इस इलाके में जबरदस्त बाढ़ आई थी। यह समझने के लिए कि वास्तव में क्या हुआ, शोधकर्ता जमीन के नीचे गए। यांग्त्जी वैली के बीच में हेशांग गुफा के अंदर, उन्होंने स्टैलेग्माइट (कैल्शियम कार्बोनेट के भंडार) की स्टडी की जो गुफा के फर्श से धीरे—धीरे बढ़ रहा था। स्टैलेग्माइट तब बनते हैं जब छत से बारिश का पानी टपकता है और कैल्शियम कार्बोनेट की छोटी—छोटी परतें पीछे छोड़ जाता है।

साल दर साल, ये परतें इतिहास की किताब के पन्नों की तरह जमा होती जाती हैं। उन परतों की रासायनिक बनावट को मापकर शोधकर्ताओं ने एक ऐसी चीज बनाई जिसे उन्होंने 'रेनफाल इयरबुक' कहा। उन्होंने 1,000 साल की अवधि में हर साल कितनी बारिश हुई, यह पता लगाने के लिए 925 सैंपल माप लिए। इसके नतीजे साफ थे। घाटी में तीन सूखे दौर आए। हर दौर 40 से 150 साल तक चला, जब बारिश 700 मिलीमीटर प्रति साल (लगभग 28 इंच) से कम हो गई। इसने दो बहुत ज्यादा बारिश वाले दौर भी झेले। एक 80 साल और दूसरा 140 साल, जब बारिश प्रति वर्ष 1,000 मिलीमीटर से ज्यादा हो गई।

जब शोधकर्ताओं ने बारिश के रिकॉर्ड की तुलना पुरातात्विक सबूतों से की, तो पैटर्न साफ हो गया। बारिश वाले दौर में गंभीर बाढ़, फैलती आर्द्रभूमि और आबादी में तेज गिरावट के संकेत मिले। लगभग 3,950 साल पहले इस इलाके में रिकॉर्ड में सबसे लंबे समय तक भारी बारिश हुई। झीलें फैल गईं। निचली जमीन गीली हो गई और खेती की जमीन कम हो गई। उसी समय, शिजियाहे कल्चर से जुड़े पुरातात्विक अवशेषों की संख्या कम होने लगी। यह गिरावट थोड़ी देर के लिए नहीं थी। यह सदियों तक चली। सबूत बताते हैं कि जो लोग बच गए, उन्होंने घाटी में अपना शहरी ठिकाना छोड़ दिया और ऊंची जगहों पर चले गए।

यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफर्ड के अर्थ साइंसेज डिपार्टमेंट और चाइना यूनिवर्सिटी ऑफ जियोसाइंसेज (वुहान) की टीमों ने इस रिसर्च का नेतृत्व किया है। उन्होंने अपने अध्ययन में एक गुफा के अंदर के क्लाइमेट रिकॉर्ड को जमीन के ऊपर एक संगठित समाज की नियति से जोड़ा है। अध्ययन में एक खास बात सामने आई। शोधकर्ताओं ने पाया कि शिजियाहे सभ्यता के खत्म होने से जुड़े ज्यादा बारिश के समय के दौरान सबसे ज्यादा बारिश आज के समय में रिकॉर्ड की गई कुछ बहुत ज्यादा बारिश की घटनाओं से कम थी। यह बात मायने रखती है। पुराने समाजों में बांध, तटबंध, एडवांस्ड ड्रेनेज सिस्टम या बड़े पैमाने पर बाढ़ नियंत्रण की प्लानिंग नहीं थी। वे स्थिर मौसमी पैटर्न पर बहुत ज्यादा निर्भर थे। जब वे पैटर्न टूट गए, तो विकल्प कम हो गए।

शिजियाहे कल्चर ने बड़ी बस्तियां बनाई थीं और एडवांस्ड क्राफ्ट और ट्रेड नेटवर्क डेवलप किए थे। लेकिन ये लोग बढ़ती झीलों को भर नहीं सके या उन खेतों को वापस नहीं पा सके जो साल दर साल पानी में डूबे रहते थे। समय के साथ, दूर जाना ही शायद एकमात्र सही विकल्प रहा होगा। यह रिसर्च गर्म होती दुनिया के लिए सबक है। यह दिखाती है कि इंसानी सिस्टम बारिश में लंबे समय तक होने वाले बदलावों के प्रति कितने संवेदनशील हो सकते हैं। बहुत कम पानी खतरनाक है। बहुत ज्यादा पानी भी उतना ही नुकसानदायक हो सकता है। शिजियाहे की कहानी सिर्फ अतीत के बारे में नहीं है। समाज को अव्यवस्थित करने के लिए चरम जलवायु को रिकॉर्ड तोड़ने की जरूरत नहीं है। उसे बस लंबे समय तक टिकने की जरूरत है। चार हजार साल पहले, नियमित बारिश निरंतर बारिश में बदल गई। खेत डूब गए। शहर खाली हो गए। एक कल्चर जो कभी यांग्त्जी घाटी के बीच में फली—फूली, वह ऊंची जमीन पर बिखर गई। हेशांग की गुफा हर बूंद का हिसाब रखती थी। अब इसने सारी कहानी कह दी है। इस तरह की कहानियां दुनिया में दूसरी जगहों पर भी दोहराई गई हैं।

अतीत में भारत पर भी जलवायु परिवर्तन का असर पड़ा। वर्ष 1900 ईसा पूर्व और 1300 ईसा पूर्व के बीच सिंधु घाटी की हड़प्पा सभ्यता का पतन हुआ। यह परिवर्तन अचानक नहीं बल्कि पर्यावरणीय गिरावट, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक पतन के कारण धीरे—धीरे हुआ। नदियों के मार्ग में परिवर्तन, भीषण सूखा, बाढ़ और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन इसके प्रमुख कारण थे, जिससे पारिस्थितिक असंतुलन उत्पन्न हुआ। मानसून के कमजोर होने और शुष्कता बढ़ने से पानी की गंभीर कमी हो गई और कृषि उत्पादन में गिरावट आई, जिसके कारण आबादी को पूर्व और दक्षिण की ओर पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। ईंटें पकाने के लिए वनों की कटाई और संसाधनों के अत्यधिक दोहन के साथ—साथ लवणता में वृद्धि ने संभवतः भूमि की उर्वरता को नष्ट कर दिया।

सिंधु नदी के मार्ग में परिवर्तन और सरस्वती नदी के सूखने से कुछ क्षेत्रों में भीषण बाढ़ आई और अन्य क्षेत्रों में सूखा पड़ा। मेसोपोटामिया और संभवतः अन्य क्षेत्रों के साथ व्यापार में गिरावट ने शहरी अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया। आज दुनिया तेजी से गर्म हो रही है। इसके परिणाम भी हम देख रहे हैं। यदि हमने जलवायु परिवर्तन के कारणों को समय रहते दूर नहीं किया तो हमें भविष्य में बड़े संकट का सामना करना पड़ सकता है।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

भारत चीन के आर्थिक संबंध 'दोस्ती' है या 'दबाव'?

—नीरज कुमार दूबे —

भारत और चीन के बीच व्यापार का रिश्ता आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां सच्चाई और दिखावा आमने सामने खड़े हैं। ऊपर से सब कुछ तेजी से बढ़ता हुआ दिखता है, लेकिन अंदर ही अंदर यह रिश्ता भारत की आर्थिक रीढ़ पर दबाव डाल रहा है। यह कहानी केवल व्यापार की नहीं, बल्कि ताकत, निर्भरता और रणनीति की है। हम आपको बता दें कि भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 155 अरब डॉलर से भी ऊपर पहुंच चुका है। पहली नजर में यह उपलब्धि लगती है, लेकिन यही आंकड़ा सबसे बड़ा खतरे का संकेत भी है। कारण साफ है, यह व्यापार संतुलित नहीं है। भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 116 अरब डॉलर के पार जा चुका है। इसका मतलब यह है कि भारत चीन से बहुत ज्यादा खरीद रहा है और बहुत कम बेच पा रहा है। चीन से आयात 135 अरब डॉलर के करीब है, जबकि भारत का निर्यात मुश्किल से 20 अरब डॉलर के आसपास सिमटा हुआ है। यह असंतुलन सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह भारत की आर्थिक निर्भरता का खुला सबूत है।

हम आपको बता दें कि भारत आज भी इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, दवाओं के कच्चे माल और सोलर उपकरणों के लिए चीन पर काफी हद तक निर्भर है। दरअसल सस्ती कीमतों का लालच भारत को इस जाल में बांधे हुए है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या यह सस्ता सौदा वास्तव में सस्ता है? जब एक देश आपकी सप्लाई चेन पर नियंत्रण रखता है, तो वह केवल व्यापार नहीं करता, बल्कि आपकी अर्थव्यवस्था पर भी असर डालता है। यही चीन कर रहा है।

हम आपको बता दें कि भारत आज भी इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, दवाओं के कच्चे माल और सोलर उपकरणों के लिए चीन पर काफी हद तक निर्भर है। दरअसल सस्ती कीमतों का लालच भारत को इस जाल में बांधे हुए है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या यह सस्ता सौदा वास्तव में सस्ता है? जब एक देश आपकी सप्लाई चेन पर नियंत्रण रखता है, तो वह केवल व्यापार नहीं करता, बल्कि आपकी अर्थव्यवस्था पर भी असर डालता है। यही चीन कर रहा है।

हैरत की बात यह भी है कि गलवान जैसी घटनाओं के बाद उम्मीद थी कि भारत चीन से दूरी बना लेगा। लेकिन हकीकत उलट है। दोनों देशों के बीच व्यापार न केवल जारी है, बल्कि तेजी से बढ़ा है। कारण यही है कि भारत अभी भी कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में चीन पर निर्भर है। बुलेट ट्रेन परियोजना से लेकर औद्योगिक मशीनों तक, भारत को चीन से सामान लेना पड़ रहा है। यानी राजनीतिक तनाव अपनी जगह है, लेकिन आर्थिक मजबूरी अपनी जगह है।मगर भारत अब इस असंतुलन को समझ चुका है और धीरे धीरे अपनी रणनीति बदल रहा है। देश में विनिर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। छोटे और मध्यम उद्योगों को ताकत दी जा रही है। नए व्यापार समझौते किए जा रहे हैं ताकि निर्यात बढ़ सके। इसके साथ ही, ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत ने समझदारी दिखाई है। अब वह केवल एक स्रोत पर निर्भर नहीं रहना चाहता। तेल और गैस की सप्लाई को विविध बनाया जा रहा है। यह संकेत साफ है कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

दूसरी तरफ चीन अपनी स्थिति को बनाए रखने के लिए पूरी ताकत लगा रहा है। उसका लक्ष्य साफ है कि उसे दुनिया की फैक्ट्री बने रहना है और हर बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करनी है। हम आपको यह भी बता दें कि चीन का वैश्विक व्यापार अधिशेष लगातार बढ़ रहा है। वह नए बाजारों में घुस रहा है और तकनीकी तथा खनिज संसाधनों पर नियंत्रण बढ़ा रहा है। यही वजह है कि भारत जैसे देश चाहकर भी उससे पूरी तरह दूरी नहीं बना पा रहे हैं।

इसके अलावा, हाल के बयानों में चीन ने भारत के साथ सहयोग की बात कही है। लेकिन यह सहयोग उतना सीधा नहीं जितना दिखता है। इसके पीछे एक रणनीतिक खेल है। चीन चाहता है कि भारत उसके साथ खड़ा रहे, जबकि भारत अपनी स्वतंत्र आर्थिक पहचान बनाना चाहता है। यानी यह रिश्ता अब दोस्ती का नहीं, बल्कि संतुलन का खेल बन चुका है। यह एक ऐसा दौर है जहां दोनों देश एक दूसरे से जुड़े भी हैं और एक दूसरे से बचने की कोशिश भी कर रहे हैं।

इसमें भी कोई दो राय नहीं कि आने वाले समय में भारत और चीन के बीच आर्थिक मुकाबला और तेज होने वाला है क्योंकि सप्लाई चेन का बंटवारा होगा, नए विनिर्माण केंद्र उभरेंगे और तकनीक के क्षेत्र में सीधी टक्कर होगी। भारत अगर अपनी रणनीति पर कायम रहता है, तो वह इस असंतुलन को धीरे धीरे कम कर सकता है। लेकिन अगर वह चूक गया, तो यह निर्भरता और गहरी हो जाएगी।

बहरहाल, भारत और चीन का व्यापार संबंध एक दोधारी तलवार है। एक तरफ यह आर्थिक अवसर देता है, दूसरी तरफ यह निर्भरता का खतरा भी पैदा करता है। अब फैसला भारत के हाथ में है कि वह इस रिश्ते को अपने पक्ष में मोड़ता है या फिर आंकड़ों की चमक में छिपे खतरे को नजरअंदाज करता रहता है। क्योंकि सच्चाई यही है, यह व्यापार नहीं, बल्कि आर्थिक शक्ति की लड़ाई है।

खाड़ी देशों के युद्ध और भारत की स्थिति

—मंगत राम पासला—

अमरीकी राष्ट्रपति की तमाम धमकियों के बावजूद 'नाटो' के सांझेदार देशों ने अमरीका का साथ देने और इस युद्ध में शामिल होने से साफ इंकार कर दिया है। इससे भी आगे, कमाल की बात यह पता चली है कि ट्रम्प ने यह युद्ध अमरीकी संसद से आवश्यक मंजूरी लेने की बजाय, अपने दामाद, बेटी, बेटे और एक मित्र की सलाह पर छेड़ा है। जब दुनिया के सबसे शक्तिशाली समझे जाने वाले देश अमरीका की कमान ट्रम्प जैसे मूर्ख के हाथ में हो, तो दुनिया के लोग शांति से मिल—जुल कर रहने के बारे में कैसे सोच सकते हैं? इस युद्ध से दुनिया भर के देशों की बहुसंख्यक आबादी को खाद्य वस्तुओं की भारी कमी, तेल—गैस और इससे संबंधित वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि, महंगाई और बेरोजगारी जैसी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा।

खाड़ी देशों के युद्ध के भयानक परिणाम न केवल संबंधित क्षेत्र के लोगों को, बल्कि दुनिया के सभी देशों के लोगों को भुगतने होंगे। यह प्रक्रिया बड़े स्तर पर शुरू भी हो चुकी है। अमरीका—इसराईल ने बिना किसी उकसावे या उचित कारण के ईरान पर हमला बोल दिया। युद्ध छेडने का बहाना बेशक ईरान के पास मौजूद परमाणु हथियारों के भंडारों से अमरीका—इसराईल को संभावित खतरे का बनाया गया है, पर अब न केवल दुनिया भर के लोगों, बल्कि अमरीका के भीतर राष्ट्रपति के करीबी मित्रों ने भी यह बात खुलेआम स्वीकार कर ली है कि ईरान से अमरीका को कोई खतरा नहीं था। सब जानते हैं कि डोनाल्ड ट्रम्प ने यह युद्ध अपने चहेते इसराईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की उत्तेजना भरी सलाहों से शुरू किया है।

अमरीकी राष्ट्रपति की तमाम धमकियों के बावजूद 'नाटो' के सांझेदार देशों ने अमरीका का साथ देने और इस युद्ध में शामिल होने से साफ इंकार कर दिया है। इससे भी आगे, कमाल की बात यह पता चली है कि ट्रम्प ने यह युद्ध अमरीकी संसद से आवश्यक मंजूरी लेने की बजाय, अपने दामाद, बेटी, बेटे और एक मित्र की सलाह पर छेड़ा है। जब दुनिया के सबसे शक्तिशाली समझे जाने वाले देश अमरीका की कमान ट्रम्प जैसे मूर्ख के हाथ में हो, तो दुनिया के लोग शांति से मिल—जुल कर रहने के बारे में कैसे सोच सकते हैं? इस युद्ध से दुनिया भर के देशों की बहुसंख्यक आबादी को खाद्य वस्तुओं की भारी कमी, तेल—गैस और इससे संबंधित वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि, महंगाई और बेरोजगारी जैसी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। युद्ध के कारण हजारों बेगुनाहों की मौतें (इनमें ईरान के स्कूल में पढने वाली सैंकड़ों छोटी बच्चियां भी शामिल हैं), मानवीय और प्राकृतिक संसाधनों की भारी तबाही और पर्यावरण में फैल रहा जहर पूरी मानवता के लिए जी का जंजाल बनेगा। इस युद्ध ने दुनिया के सारे कायदे—कानून ताक पर रखकर किसी भी स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र (जैसे इराक और वेनेजुएला) पर हमला करके कब्जा करने की अमरीका की लालसा को भी उजागर किया है।

इस युद्ध ने भारत की मोदी सरकार द्वारा अमरीकी साम्राज्यवाद के साथ की गई रणनीतिक सांझेदारियों के परिणामस्वरूप अपनाई गई वर्तमान विदेश नीति का दुनिया भर में दीवाला निकाल दिया है। भारत ने 2 सैन्य गुटों ('नाटो' और 'वारसा') से अलग रहकर गुटनिरपेक्ष देशों का सांझा मंच खड़ा करने में बहुमूल्य योगदान दिया था। परंतु अब भारत ने डटकर ईरान के साथ खड़े होने की बजाय अमरीका—इसराईल युद्धबाज गुट का पक्ष लिया है। डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले समय में प्रधानमंत्री मोदी और भारत के लोगों का ऐसा मजाक उड़ाया, जिसे कोई भी स्वाभिमानी स्वतंत्र देश कतई बर्दाश्त नहीं कर सकता। इससे दुनिया भर में भारतीय राजनेताओं की नपुंसक राजनीति भी बेपर्दा हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रम्प के इन अपमानजनक बयानों के खिलाफ अपनी जुबान से एक शब्द तक नहीं बोला। भारत के निमंत्रण पर नौसेना के अभ्यास में हिस्सा लेने आए ईरान के समुद्री जहाज में सवार 97 सैनिकों को अमरीकी सेनाओं द्वारा हमला करके तब मार दिया गया, जब वे अपने देश ईरान वापस लौट रहे थे। अमरीका की इस अत्यंत निंदनीय कार्रवाई की निंदा करना तो दूर, भारत द्वारा सैनिकों की मौत पर शोक का औपचारिक प्रकटीकरण तक नहीं किया गया।

अमरीका के साथ मोदी सरकार की दोस्ती का 'परिणाम' भारत—अमरीका के बीच होने वाले 'मुक्त व्यापार समझौते' में भारत के लिए कई प्रतिकूल शर्तें स्वीकार किए जाने के भयानक नतीजे भारत के किसानों, छोटे और मध्यम श्रेणी के उद्योगपतियों और व्यापारियों की तबाही के रूप में सामने आने वाले हैं। स्पष्ट है कि अमरीका अपने किसानों को भारी सबसिडी देकर तैयार की गई कृषि वस्तुएं जैसे मक्का, सोयाबीन का तेल, फल, सूखे मेवे आदि भारतीय बाजार में उतारकर हमारी किसानी को खेती से बाहर कर देने की तैयारियां किए बैठा है। हमारा देश साम्राज्यवादी गुलामी के 'नव—उपनिवेशवादी' दौर में पहुंचने जा रहा है, जहां सरकार तो भारतीय लोगों की ही होगी, परंतु आध्थक नीतियां, व्यापारिक और राजनीतिक फैसले अमरीका की मंजूरी से ही लिए जाएंगे। इसकी ताजा मिसाल खाड़ी युद्ध के दौरान ऊर्जा की कमी के मद्देनजर अमरीका द्वारा बड़े अहंकारी ढंग से भारत को सिर्फ 30 दिनों के लिए रूस से तेल खरीदने की इजाजत दिए जाने से मिलती है। ड्क्षचता इस बात की है कि भारत को साम्राज्यवादी देश अमरीका और इसके सांझेदारों द्वारा बनाए गए आर्थिक और राजनीतिक 'चक्रव्यूह' से बाहर निकलने के लिए हमें आजादी की एक और जंग लडनी पड़ सकती है। यह जंग 1947 में प्राप्त की गई आजादी के लिए लड़े गए लंबे राष्ट्रीय मुक्ति संग्राम की तुलना में कहीं अधिक कठिन और खतरनाक होगी।—मंगत राम पासला

राप्ती नदी में डूबने से दो चचेरे भाइयों की मौत

संवाददाता—श्रावस्ती। इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम जंगरावल गढ़ी निवासी पूर्व प्रधान पुत्तीलाल यादव के पौत्र 13 वर्षीय सूरज पिता घनश्याम यादव और 12 वर्षीय अखिलेश उर्फ अनिल कुमार यादव पिता राजेश यादव रविवार को राप्ती नदी के किनारे घूमने गए थे। इसी दौरान दोनों नहाने के लिए नदी में उतर गए और गहराई का अंदाजा न लगने से अचानक गहरे पानी में चले गए, जिससे दोनों डूबने लगे। किशोरों के चिल्लाने की आवाज सुनकर पास में मौजूद चरवाहों ने शोर मचाया।

सूचना मिलते ही ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे और नदी में कूदकर 13 वर्षीय सूरज को बाहर निकाला। उसे तत्काल एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) इकौना ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, दूसरे किशोर 12 वर्षीय अखिलेश का देर शाम शव नदीं में मिला है। गोताखोरों और ग्रामीणों ने तलाश निकाला है। अखिलेश को भी अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया है। ग्रामीण परमजीत ने बताया कि अखिलेश के पिता राजेश यादव एसएसबी में तैनात हैं और हाल ही में छुट्टी लेकर घर आए थे। रविवार को वह अपने पुत्र के साथ जंगरावल गढ़ी स्थित पैतृक गांव गए थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया।

देश में पर्याप्त पेट्रोल—डीजल, ईरान—इजराइल युद्ध के बावजूद आपूर्ति सामान्य —सतीश शर्मा

संवाददाता—बहराइच। भारत—नेपाल खेल महोत्सव का उद्घाटन करने पहुंचे प्रदेश के खाद्य एवं रसद मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने देश में पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि ईरान—इजराइल—अमेरिका युद्ध के बावजूद भारत में स्थिति सामान्य है और पेट्रोल—डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान मंत्री शर्मा ने स्वीकार किया कि कुछ उपभोक्ताओं द्वारा घबराहट में खरीदारी की बात सामने आई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व में पूरे देश में 60 दिनों का पेट्रोल और डीजल का स्टॉक मौजूद है। मंत्री ने यूपीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उस समय भारत एक दर्जन देशों से तेल आयात करता था, जबकि आज हम दुनिया के 40 से अधिक देशों से तेल का आयात कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रतिदिन 8 लाख लोगों को तेल उपलब्ध कराया जा रहा है। सतीश चंद्र शर्मा ने यह भी बताया कि तेल की कालाबाजारी और ओवर—रेटिंग को रोकने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कहीं भी पेट्रोल—डीजल की कालाबाजारी या स्टॉक जमा करने का मामला सामने आता है, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने विपक्ष पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके प्रयास विफल रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि अब पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें समाप्त हो चुकी हैं और सभी को आसानी से पेट्रोल और डीजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

जाम में फंसी एंबुलेंस, नगर पंचायत अध्यक्ष ने खुद संभाली स्टेयरिंग

संवाददाता—देवरिया। जिले के सलेमपुर उपनगर के सोहनाग मोड़ पर रोडवेज बस चालक की मनमानी के चलते रविवार को जाम लग गया। जाम में मरीज लेकर जा रहा एंबुलेंस भी फंस गया। कोतवाली पुलिस जाम हटाने के लिए पहुंची, लेकिन बस चालक के न होने के चलते पुलिस सफल नहीं हो पाई। नगर पंचायत अध्यक्ष सलेमपुर श्रीराम यादव ने खुद बस की स्टेयरिंग संभाली और बस को किनारे ले जाकर लगाया। जिसके बाद आवागमन सामान्य हो सका। नगर पंचायत अध्यक्ष के इस कार्य की अब सराहना हो रही है। सलेमपुर उपनगर में बस स्टैंड का निर्माण हो रहा है। रोडवेज की बस ओवरब्रिज से लेकर सोहनाग मोड़ तक खड़ी होती हैं। गोरखपुर डिपो की एक बस रविवार की सुबह सोहनाग मोड़ पर बीच सड़क में खड़ी हो गई और चालक तथा परिचालक दोनों गायब हो गए। जिसके चलते जाम की समस्या उत्पन्न हो गई। सोहनाग रोड की तरफ से आ रही एक एंबुलेंस भी चालक की मनमानी के चलते फंस गई। उधर से गुजर रहे नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीराम यादव ने लोगों से चालक को बुलाने के लिए कहा, लेकिन चालक व परिचालक नजर नहीं आए।इसके बाद अध्यक्ष ने कोतवाल को फोन मिलाया और जानकारी दी। पुलिसकर्मी भी पहुंच गए। बस में चाबी लगी हुई थी। सिपाही ने बस को हटाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल पाई।

नग्न हालत में युवक का शव मिला, एक आंख गायब, बेरहमी से हत्या की आशंका

संवाददाता—देवरिया। जिले के सुरौली थाना क्षेत्र के पैकौली भटजमुआंव मार्ग पर रविवार की सुबह एक पुलिया के नीचे युवक का मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। युवक के शरीर पर गंभीर चोट थे। युवक की बाई आंख गायब थी व चेहरे शरीर कई चोट के निशान थे। युवक के शरीर पर कोई कपड़ा नहीं था। पूर्ण रूप से नग्न हालत में युवक का शव पीठ के बल पड़ा था। यवक बाएं हाथ पर रवि एच नाम का टैटू गुदा हुआ है। उसकी हत्या की आशंका जताई जा रही है। सुरौली थाना क्षेत्र के पैकौली सिसवां पाण्डेय मार्ग से जाने वाले खड़ंजा रोड पर एक पुलिया के नीचे गेंहू के खेत में सुबह छः बजे टहलने निकले ग्रामीणओं ने नग्न हालात में एक युवक का शव देखा। शव मिलने की सूचना मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। किसी ने इसकी सूचना पीआरवी 112 को दी। मौके पर पहुंची पीआरवी टीम ने सुरौली पुलिस को सूचित किया। सूचना पर सुरौली प्रभारी थाना अध्यक्ष अविनाश कुमार मौर्य मय फोर्स मौके पर पहुंचे। शव पीठ के पड़ा था। शव किसी युवक का था जिसकी उम्र लगभग 30 – 32 साल बताई जा रही है। युवक के चेहरे व शरीर पर गंभीर चोट के निशान थे। युवक की बाई आंख गायब थी। युवक के दाहिने हाथ पर रवि एच नाम का टैटू भी गुदा हुआ था।

शव मिलने की सूचना पर आसपास के दर्जनों गांव के लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। पुलिस ने भीड़ से शव की पहचान कराने की कोशिश की लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

'विश्व शांति संवाद' का समापनः 26 देशों के 180 छात्र प्रतिनिधि हुए शामिल, ढोल नगाड़ों पर थिरके विदेशी छात्र

संवाददाता—कुशीनगर। भगवान बुद्ध की निर्वाण स्थली 'विश्व शांति संवाद' का आयोजन किया गया। जिसका समापन रविवार को हुआ। विश्व छात्र एवं युवा संगठन तथा डमजं के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में 26 देशों के 180 विद्यार्थी प्रतिनिधियों ने भाग लेकर वैश्विक शांति और सह—अस्तित्व का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय रहे। विशिष्ट अतिथियों में अमरकंटक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी, प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो. अश्वनी महापात्रा, संगठन के अध्यक्ष नितिन शर्मा एवं महासचिव शुभम गोयल उपस्थित थे। इससे पूर्व, सभी प्रतिनिधियों ने दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में आयोजित वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन में भाग लिया, जहां उन्हें विभिन्न सत्रों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। इसके बाद उन्होंने कुशीनगर स्थित बौद्ध स्थलों का भ्रमण भी किया। मुख्य अतिथि योगेंद्र उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में विश्व पर्यावरण संकट, गरीबी, कुपोषण, आतंकवाद और युद्ध जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में "वसुधैव कुटुंबकम" का भारतीय दर्शन ही इन समस्याओं का समग्र समाधान प्रस्तुत करता है। उन्होंने यह भी कहा कि तकनीकी विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता यदि नैतिक मूल्यों से नहीं जुड़ेंगे, तो वे विनाशकारी सिद्ध हो सकते हैं।

विशिष्ट अतिथि प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी ने कहा कि गौतम बुद्ध की यह धरती करुणा और प्रज्ञा का संदेश देती है। उन्होंने युवाओं से तकनीक का उपयोग मानवता के हित में करने का आह्वान किया। वहीं, प्रो. अश्वनी महापात्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह संवाद वैश्विक वैचारिक परिवर्तन की शुरुआत है। उन्होंने जोर दिया कि आज सूचना तो बहुत है, लेकिन विवेक की कमी है, और शांति का मार्ग आंतरिक संतुलन से होकर जाता है। कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष नितिन शर्मा के संबोधन से हुई, जबकि समापन महासचिव शुभम गोयल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

ट्रेन के इंजन से टकराई नीलगाय दो घंटे ठप रहा डाउन ट्रैक

संवाददाता—देवरिया। भटनी—छपरा रेल प्रखंड के भाटपाररानी और बनकटा के बीच रविवार को एक नीलगाय के ट्रेन के इंजन से टकराने से डाउन ट्रैक करीब दो घंटे तक बाधित रहा। इस हादसे में इंजन का प्रेशर पाइप टूट गया, जिससे सवारी गाड़ी बीच रास्ते में ही खड़ी हो गई और यात्रियों में अफरा—तफरी मच गई। गोरखपुर से छपरा जाने वाली 55056 गोरखपुर—छपरा सवारी गाड़ी दोपहर करीब 12 बजे भाटपाररानी स्टेशन से बनकटा के लिए रवाना हुई थी। ट्रेन जैसे ही खडेसर के पास किलोमीटर संख्या 415 के समीप पहुंची, अचानक एक नीलगाय इंजन से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि इंजन का प्रेशर पाइप क्षतिग्रस्त हो गया और इंजन ने काम करना बंद कर दिया।घटना की सूचना मिलते ही रेलवे की इंजीनियरिंग टीम मौके पर पहुंची और जांच—पड़ताल शुरू की। इस दौरान

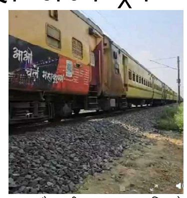

डाउन ट्रैक पूरी तरह ठप रहा, जिससे अन्य ट्रेनों का संचालन भी प्रभावित हुआ। भाटपाररानी रेलवे स्टेशन पर पूर्वांचल एक्सप्रेस भी कुछ समय तक खड़ी रही। करीब दो घंटे बाद सिवान से दूसरा इंजन मंगाया गया। इसके बाद लगभग 2:10 बजे ट्रेन को पुनः रवाना किया जा सका और ट्रैक पर आवागमन बहाल हुआ। स्टेशन अधीक्षक महेंद्र भूषण ने बताया कि नीलगाय के टकराने से इंजन का प्रेशर पाइप टूट गया था। वैकल्पिक इंजन लगाकर ट्रेन को सुरक्षित गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया है।

फील्ड ट्रेनरों ने गबडुआ में किया डिजिटल जनगणना का अभ्यास

संवाददाता—महराजगंज। जनगणना 2027 के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के सभागार में चल रहे 90 फील्ड ट्रेनरों के प्रशिक्षण का तीसरा व अंतिम चरण पूरा हो गया। समीक्षा के बाद फील्ड ट्रेनरों को नगर पालिका परिषद महराजगंज के गबडुआ क्षेत्र में मास्टर ट्रेनरों ने भ्रमण कराकर डिजिटल जनगणना की प्रक्रिया का अभ्यास कराया। जिले में स्व—गणना सात मई से 21 मई तक होगी। जनगणना के लिए जनपद में 90 फील्ड ट्रेनरों को चार मास्टर ट्रेनरों ने तीन चरणों में 30—30 की संख्या में प्रशिक्षण दिया। तीसरे चरण का प्रशिक्षण 24, 25 व 28 मार्च को आयोजित हुआ। जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी निरंकार व जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मनोज कुमार की उपस्थिति में फील्ड विजिट कराई गई।

स्वगणना के लिए किया गया जागरूकभ्रमण के दौरान ट्रेनरों को घर—घर जाकर मकानों के सूचीकरण और गणना की वास्तविक प्रक्रिया समझाई गई। उन्हें बताया गया कि जनगणना के दौरान परिवार के सदस्यों से किस प्रकार सवाल पूछे

जाएंगे। किन बिंदुओं पर विशेष ध्यान देना है। प्राप्त जानकारी को किस तरह सत्यापित करना है। साथ ही स्वगणना के बारे में आमजन को जागरूक करने के तरीके भी समझाए गए। फील्ड ट्रेनरों को मोबाइल ऐप के माध्यम से डाटा एंट्री, सत्यापन व फीडिंग का मौके पर अभ्यास कराया गया। उन्हें यह भी बताया गया कि किसी मकान या परिवार का विवरण दर्ज करते समय त्रुटियों से कैसे बचना है। हर सूचना को निर्धारित प्रारूप में कैसे दर्ज करना है। प्रशिक्षकों ने बताया कि सभी राजस्व ग्रामों व शहरी वार्डों का अनुमानित मकान सूचीकरण ब्लॉक के आधार पर कच्चा व नजरी नक्शा तैयार किया जाएगा। उसी के आधार पर जनगणना होगी। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जनगणना के दौरान आंकड़ों की गुणवत्ता व शुद्धता बनी रहे।जिला जनगणना अधिकारीध एडीएम डॉ. प्रशांत कुमार ने कहा, फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण पूरा करा लिया गया है। अब अगले चरण में प्रगणकों व सुपरवाइजरों का बैच बनाकर उनका प्रशिक्षण कराया जाएगा। जिससे जनगणना का कार्य समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण व बिना किसी त्रुटि के संपन्न हो सके। स्व—गणना 7 मई से 21 मई तक होगी। लोग मोबाइल से जानकारी दे सकेंगे।

दीवार से टकराकर पोल से भिड़ी बाइक, एक युवक की मौत

संवाददाता—महराजगंज। नौतनवा थाना क्षेत्र के कजरी खास गांव में रविवार को एक हादसा हो गया। एक बाइक पर सवार दो युवक अनियंत्रित होकर दीवार से टकराकर बिजली के पोल में जा भिड़े। हादसे में खून से लथपथ पड़े दोनों घायलों को आस—पड़ोस के लोगों ने तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतनपुर में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने रामबचन साहनी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नौतनवा थाना क्षेत्र के ही ग्राम सेमरहवा टोला चेरइया निवासी सेमयी अपने गांव के ही एक साथी रामबचन साहनी के साथ बाइक से किसी काम के लिए निकला था।

दोनों बाइक सवार जैसे ही कजरी गांव के पास पहुंचे, तभी बाइक अनियंत्रित होकर दीवार से टकराते हुए बिजली के पोल भिड़ गई। बाइक की टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों मौके पर ही गंभीर रूप से घायल होकर तड़पने लगे। ग्रामीणों ने उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतनपुर में भर्ती कराया। वहां रामबचन साहनी को तत्काल मृत घोषित कर दिया गया। जबकि सेमयी की हालत गंभीर देख प्राथमिक इलाज के बाद उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष पुरुषोत्तम राव ने बताया कि घटना की सूचना पर तत्काल मौके पर पुलिस टीम पहुंची थी। मृतक रामबचन साहनी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना की जांच की जा रही है।

सरयू नदी बीचो-बीच टापू पर बना रहे थे कच्ची शराब,1000 लीटर बरामद

संवाददाता—गोण्डा। नवाबगंज थाना क्षेत्र में अवैध कच्ची शराब बनाने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने सरयू नदी के बीच एक टापू पर चल रही अवैध शराब फैक्ट्री पर छापा मारकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में 1000 लीटर अवैध कच्ची शराब और 8000 लीटर लहन बरामद किया गया, जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के सख्त निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। पुलिस को लगातार अवैध कच्ची शराब बनाए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। आज रविवार को नवाबगंज पुलिस ने ढेमवा घाट पुलिस चौकी से लगभग 8 किलोमीटर अंदर तुलसीपुर माझा गांव के पास सरयू नदी के टापू पर यह अवैध फैक्ट्री पकड़ी। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अमित सिंह, संचित सिंह और श्रीराम यादव के रूप में हुई है, जो दत्त नगर, थाना नवाबगंज के निवासी हैं। इनके कब्जे से 1326 प्लास्टिक की पन्नियों में पैक 1000 लीटर अवैध कच्ची शराब और 8000 लीटर लहन के साथ एक मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है। इसके अतिरिक्त, पुलिस ने मौके से 200 लीटर क्षमता के 41 प्लास्टिक ड्रम, 50 लीटर क्षमता के 6 ड्रम, 8 जस्ते के पतीले और 3 लोहे की भट्ठियां भी बरामद की हैं। अवैध शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरण भी बड़ी मात्रा में मिले हैं। आरोपी इस शराब को 10, 20, 50 और 100 रुपये की पन्नियों में पैक कर पड़ोसी जिले अयोध्या में बेचकर आर्थिक लाभ कमाते थे। नवाबगंज थाना अध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए इन सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 60,60(2) आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज करके इन तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। जहां न्यायालय द्वारा इन सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस गिरोह में और कौन—कौन लोग शामिल हैं इसकी भी जांच की जा रही है जल्दी बड़ी कार्रवाई की जाएगी यह लोग सरयू नदी के बीचो—बीच टापू पर अवैध कच्ची शराब बनाने का काम करते थे।

बेल्जियम से भारत भ्रमण पर निकले निकोलस ने बौद्ध धर्म में जताई आस्था

संवाददाता—महराजगंज। बेल्जियम से भारत भ्रमण पर निकले निकोलस को भारत देश से गहरा लगाव है। साथ ही बुद्ध धर्म मे विपश्यना ध्यान विधि के प्रयोग को महत्वपूर्ण बताते हुए बौद्ध धर्म मे अपनी आस्था प्रकट की। वे मानवता को ही दुनिया का सबसे बड़ा धर्म मानते हैं। चार दिनों से नौतनवा ब्लाक में ग्राम पंचायत रतनपुर स्थित सुदामा प्रसाद जन कल्याण फाउंडेशन के अतिथि गृह में रुककर बौद्ध धर्म का अध्ययन कर रहे हैं। जन कल्याण फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रभात वर्मा जब जनवरी 2026 में यूरोप टूर पर थे तो निकोलस से स्टॉकहोम में मुलाकात हुई थी स निकोलस यहां आने से पहले एक माह बोध गया, सारनाथ, कुशीनगर, लुम्बिनी आदि बौद्ध स्थानों पर पहुंचे थे। अब रतनपुर, बनरसिंहा, भगवानपुर आदि अनेक ग्राम का भ्रमण कर रहे हैं। निकोलस ने बताया कि 21 जनवरी को स्टॉकहोम से प्रभात वर्मा के साथ ही प्लेन से दिल्ली आए थे। अब इनके ग्राम रतनपुर में रहकर बौद्ध दर्शन का अध्ययन कर रहे हैं। भारत के बौद्ध स्थलों को लगभग 4 माह भ्रमण करते हुए जुलाई में बेल्जियम लौटेंगे।

गैस न मिलने पर उपभोक्ताओं का बवाल मुख्य मार्ग पर घंटों लगाया जाम

संवाददाता—देवरिया। मझौलीराज नगर स्थित सुमित्रा भारत गैस एजेंसी पर रविवार को रसोई गैस न मिलने से नाराज उपभोक्ताओं ने जमकर हंगामा किया। आक्रोशित लोगों ने मुख्य मार्ग भी जाम कर दिया, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात बाधित रहा। गैस एजेंसी पर सुबह से ही उपभोक्ता पहुंचने लगे थे। करीब 10 बजे कार्यालय खुलने के बाद भी गैस वितरण न होने पर भीड़ बढ़ती गई। इसी दौरान उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि उनके मोबाइल पर गैस बुकिंग 'डिलीवर' दिखा रही है, जबकि वास्तविक रूप से सिलिंडर नहीं मिला। संतोषजनक जवाब न मिलने पर लोग आक्रोशित हो गए और नारेबाजी शुरू कर दी।स्थिति बिगड़ने पर एजेंसी कर्मचारियों ने खुद को कार्यालय में बंद कर लिया। इससे नाराज उपभोक्ताओं ने शटर पीटना शुरू कर दिया। मौके पर मौजूद करीब पचास से अधिक उपभोक्ताओं ने अनियमितता का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर जाम खुलवाया और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस के जाने के करीब एक घंटे बाद नायब तहसीलदार हरिलाल यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने उपभोक्ताओं से कनेक्शन नंबर और बुकिंग तिथि दर्ज कराई तथा मामले की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजने की बात कही। विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रहीं।

मन की बात' से प्रेरित हुए कार्यकर्ता, बूथों पर हुआ सामूहिक श्रवण

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात का प्रसारण महानगर के सभी बूथों पर कार्यकर्ताओं व आमजन ने सामूहिक रूप से सुना। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही और जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणादायी बताया।जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने सरायरासी स्थित अपने आवास पर कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम सुना। उन्होंने कहा कि "प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने का माध्यम है। इसमें देश के विकास, नवाचार और जनभागीदारी के जो उदाहरण प्रस्तुत किए जाते हैं, वे हम सभी को सकारात्मक कार्यों के लिए प्रेरित करते हैं।"नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने सहादतगंज स्थित आवास पर कार्यक्रम को सुना। उन्होंने कहा कि "यह कार्यक्रम देशवासियों के साथ प्रधानमंत्री का सीधा संवाद है, जो हमें अपने दायित्वों के प्रति जागरूक करता है और राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देता है।"महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने मणिराम दास की छावनी वार्ड स्थित तिवारी मंदिर में कार्यक्रम का श्रवण किया। उन्होंने कहा कि मन की बात' समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और हमें सेवा, समर्पण व जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है।"महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने सहादतगंज स्थित महानगर कार्यालय में महानगर कमेटी के साथ कार्यक्रम सुना। उन्होंने कहा कि "प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम कार्यकर्ताओं के लिए मार्गदर्शक है, जो हमें संगठनात्मक मजबूती और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने की दिशा में प्रेरित करता है।"पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, महामंत्री शैलेन्द्र कोरी एवं स्वामी परमानंद मिश्र ने सीताकुण्ड अयोध्या में कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम सुना। पूर्व महापौर ने कहा कि मन की बात' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशवासियों को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। इससे कार्यकर्ताओं को जनसेवा के लिए नई दिशा और संकल्प मिलता है। जिला महामंत्री शिवेन्द्र सिंह ने ग्राम सभा मड़ना में कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम को सुना।महानगर उपाध्यक्ष तिलक राम मौर्य, शशि प्रताप सिंह, हरभजन गौड, अमल गुप्ता, शिवम्क शुक्ला, गन्ना समित के चेयरमैन दीपेन्द्र सिंह, अनुराग त्रिपाठी, बाबूराम यादव, हनुमान गढी के संत राम कुमार दास, विनय जायसवाल, आशीष सिंह, जेपी श्रीवास्तव, ओमिस अग्रहरि, सचिन सरीन, चेतन गुप्ता, शुभम श्रीवास्तव, ने विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम को सुना।

इंटरलाकिंग मार्ग का हुआ शिलान्यास

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। क्षेत्रीय विकास को गति देते हुए विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने रविवार को ग्राम पंचायत कछौली में दो इंटरलॉकिंग मार्गों का लोकार्पण तथा एक अध्ययन कक्ष का शिलान्यास किया।

विधायक ने पक्की सड़क से गायत्री सर्वोदय विद्यालय तक तथा सीताराम के घर से रामगुलाम मौर्या के घर तक निर्मित इंटरलॉकिंग मार्गों का लोकार्पण किया। साथ ही कन्हैया भगवान सिंह स्मारक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पूरे पहलवान बैसिंह में अध्ययन कक्ष निर्माण कार्य का शिलान्यास भी किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।इस अवसर पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि "क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सड़क, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। प्रदेश सरकार गांव—गांव तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इंटरलॉकिंग मार्गों के निर्माण से जहां आवागमन सुगम होगा, वहीं विद्यालय में अध्ययन कक्ष बनने से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक वातावरण मिलेगा।कार्यक्रम में कपिल देव वर्मा, दिनेश वर्मा, भूपेंद्र पांडेय, देवता पटेल, अनूप वर्मा, डॉ. अविनाश सिंह, राजेश पाठक, प्रमोद, अजय सिंह, लाल साहब सिंह, भगवान बक्श सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

महिला थाना ने 8 टूटते रिश्तों को बचाया

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। जनपद के महिला थाना में रविवार को परिवार परामर्श केंद्र की पहल पर 8 दंपतियों को फिर से मिलाया गया। आपसी मतभेदों के कारण अलग रह रहे इन जोड़ों के विवादों को काउंसलिंग के जरिए सुलझाया गया, जिससे उनके रिश्तों को नई शुरुआत मिली। ये दंपति लंबे समय से मनमुटाव के कारण तलाक की कगार पर थे। महिला थाना की टीम ने दोनों पक्षों को अपनी बात रखने का अवसर दिया। गहन बातचीत और समझाइश के बाद आपसी सहमति से समझौता कराया गया। समझौते के बाद सभी जोड़ों को एक साथ विदा किया गया। जिन दंपतियों का समझौता कराया गया, उनमें शकुंतला पत्नी सुनील (अमहवा ओला बस्तियां, थाना मोहाना), अंजू पत्नी चंद्र प्रकाश (आर्य नगर सिविल लाइन), अफसाना पत्नी रहमत अली (त्रिलोकपुर), शाहजहां पत्नी चांद मकरानी (वर्ल्डपुर नंबर 13, टोला कल्याणपुर), रेहाना पत्नी इरशाद (खेतवाल तिवारी, थाना जोगिया उदयपुर), राधिका पत्नी अजय (गरगजवा, थाना बांसी), रिया पत्नी रामलाल (बसंतपुर, थाना मोहाना) और माजिदुन निशा पत्नी अकरम (कोरडा ग्रांट) शामिल हैं।

इस पहल में प्रभारी निरीक्षक भाग्यवती पाण्डेय के साथ काउंसलिंग टीम की सदस्य महिला हेड कांस्टेबल आशा गौड़, महिला आरक्षी प्रियंवदा सिंह और महिला आरक्षी प्रगति राय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम के प्रयासों से ये आठ परिवार टूटने से बच गए। स्थानीय लोगों ने महिला थाना की इस पहल की सराहना की है।

तीन नामित सभासदों ने ली शपथ

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। उसका बाजार में नगर पंचायत की बोर्ड बैठक से पहले तीन नामित सभासदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। यह समारोह रविवार, 29 मार्च 2026 को नगर पंचायत कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया। सदर उपजिलाधिकारी कल्याण सिंह मौर्य ने दिलीप सिंह, पवन जायसवाल और सावित्री देवी को शपथ ग्रहण कराई। इस अवसर पर डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल और भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने नव—नामित सभासदों का माल्यार्पण और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि मनोनीत सभासद नगर पंचायत के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव और सक्रिय सहभागिता से नगर के विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी। सांसद ने उम्मीद जताई कि सभी सभासद अपने—अपने क्षेत्रों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाकर उनके समाधान में अहम भूमिका निभाएंगे। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने कहा कि तीनों सभासद शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए विकास योजनाओं को गति देंगे। उन्होंने नगर हित में सक्रिय योगदान देने का विश्वास व्यक्त किया। शपथ ग्रहण के साथ ही तीनों सभासदों ने नगर क्षेत्र के विकास, जनसमस्याओं के समाधान और जनहित के कार्यों में पूरी निष्ठा से योगदान देने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में चेयरमैन मंजू जायसवाल, अधिशासी अधिकारी अभिनव श्रीवास्तव, चेयरमैन प्रतिनिधि हेमंत जायसवाल सहित सोमनाथ मिश्र, शिवकुमार जायसवाल, पंकज अग्रहरी, अनूप छापड़िया, राजू छापड़िया, जुगुल जायसवाल, मनीष अग्रहरी, रामेश्वर पाण्डेय, लालबहादुर दास, दर्पण जायसवाल, राजनारायण पाण्डेय, सत्यप्रकाश वर्मा, कौशल जायसवाल समेत अन्य गणमान्य लोग और भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने नव—नामित सभासदों को बधाई दी।

गोरखपुर—नई दिल्ली स्पेशल 7 अप्रैल से

संवाददाता—गोरखपुर। गर्मी के दिनों में होने वाली भीड़ को देखते हुए 05101/05102 गोरखपुर—नई दिल्ली स्पेशल का संचलन 29 फेरों के लिए किया जाएगा।

यह जानकारी सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने दी है। 05101 गोरखपुर—नई दिल्ली स्पेशल 07 अप्रैल से 14 जुलाई तक प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को गोरखपुर से शाम 4 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 07:30 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। वापसी यात्रा में, 05102 नई दिल्ली—गोरखपुर स्पेशल 08 अप्रैल से 15 जुलाई तक प्रत्येक बुधवार एवं रविवार को नई दिल्ली से सुबह 09:45 बजे प्रस्थान कर देर रात 1 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन में कुल 22 कोच लगाए जाएंगे।

गुआक्टा के पदाधिकारियों ने उच्च शिक्षा मंत्री से कई मांगों पर की चर्चा

संवाददाता—गोरखपुर। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय से सर्किट हाउस में गुआक्टा के पदाधिकारियों और सदस्यों ने मुलाकात कर कई अहम मुद्दों पर चर्चा की है। वार्ता के बाद मंत्री ने आश्वासन दिया है कि सरकार मांगों पर विचार करेगी और उसे पूरा करेगी। गुआक्टा ने मंत्री के समक्ष मांग रखी कि प्रदेश के उच्च शिक्षा के शिक्षकों को जिन्होंने 30 अप्रैल 2005 के पूर्व विज्ञापित और चयनित हुए थे और जिनका पुरानी पेंशन योजना के तहत कन्वर्जन हो गया था उनके पूर्व में नई पेंशन योजना में हुई कटौतियों ,अवशेषों का भुगतान पुरानी पेंशन योजना खाते में तत्काल समायोजित कराया जाए।

नई पेंशन योजना के तहत वर्तमान में जिन शिक्षक बंधुओं की कटौती हो रही है, उनके एनपीएस खातों में प्रत्येक माहवार राज्यांश भी सुनिश्चित कराया जाए इसके अलावा राज्य अनुदानित महाविद्यालयों के शिक्षकों के ट्रांसफर में हो रही अनावश्यक विलम्ब और प्रबंधतंत्र द्वारा एनओसी दिए जाने में देरी पर रोक लगाते हुए निर्धारित अवधि में ट्रांसफर किया जाए। साथ ही मेडिकल अवकाश की सुविधा बहाल किए जाने पर चर्चा की। मंत्री ने सभी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र निराकरण किए जाने का आश्वासन दिया है।

प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से गुआक्टा अध्यक्ष प्रो. लोकेश त्रिपाठी, महामंत्री डॉ. निरंकार राम त्रिपाठी, फुपुक्टा प्रतिनिधि प्रो. अनन्त कीर्ति तिवारी, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, प्रो. हरीश कुमार, प्रो. जेपी सिंह, प्रो. आरसी वर्मा, डॉ. अविनाश मिश्रा मौजूद रहे।

आरोग्य मेले में लापरवाही उजागर, डीएम ने निरीक्षण कर जताई नाराजगी

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेले के दौरान स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही सामने आई है। डीएम शिवशरणप्पा जी एन के औचक निरीक्षण में कई स्वास्थ्य केंद्रों पर अव्यवस्थाएं मिलीं, जिस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन ने नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पुरानी नौगढ़ और नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कंदवा बाजार धुसरी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ओपीडी, दवा वितरण, टीकाकरण और प्रसव कक्ष की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। पुरानी नौगढ़ स्थित स्वास्थ्य केंद्र पर ओपीडी में मरीजों की संख्या काफी कम पाई गई। इस पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का पर्याप्त प्रचार—प्रसार नहीं किया जा रहा है। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से व्यापक प्रचार सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित चिकित्सकों और अधीक्षक से स्पष्टीकरण तलब किया। कंदवा बाजार धुसरी स्थित स्वास्थ्य केंद्र में भी व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं मिलीं। यहां योजनाओं से जुड़ी जानकारी और प्रचार सामग्री का अभाव पाया गया। कई स्थानों पर योजनाओं के स्टॉल तक नहीं लगे थे, जिससे लाभार्थियों को जानकारी नहीं मिल पा रही थी। डीएम ने इसे शासन की मंशा के विपरीत बताते हुए कड़ी नाराजगी जताई। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि प्रत्येक रविवार को आयोजित होने वाला आरोग्य मेला निर्धारित मानकों के अनुरूप संचालित नहीं हो रहा है। व्यवस्थाओं में ढिलाई और जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता स्पष्ट दिखाई दी। स्वास्थ्य केंद्रों पर साफ—सफाई की स्थिति भी कई स्थानों पर खराब मिली। डीएम ने कचरा निस्तारण, मरीजों के बैठने और पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को बुनियादी सुविधाएं न मिलना गंभीर चिंता का विषय है। डीएम ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री आरोग्य मेला आमजन को निःशुल्क और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की महत्वपूर्ण योजना है, लेकिन लापरवाही के चलते इसका उद्देश्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोहराई गई तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस निरीक्षण के दौरान डॉ. अनूप जायसवाल, डॉ. विजय कुमार, अनन्त प्रकाश, रवि प्रकाश सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

युवक का शव मिला: कानपुर से घर लौटा था, नीट की तैयारी कर रहा था

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। अकबरपुर स्थित जिला अस्पताल परिसर में एक युवक का शव उसके कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में पंखे से लटका मिला है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान 29 वर्षीय पवन कुमार के रूप में हुई है, जो जिला अस्पताल में सीनियर वार्ड मास्टर बांके प्रसाद के पुत्र थे। उनका शव अकबरपुर थाना क्षेत्र के जिला अस्पताल स्थित आवास के एक कमरे में मिला। परिजनों के अनुसार, पवन शनिवार रात खाना खाकर अपने कमरे में गया था।

रविवार सुबह काफी देर तक जब पवन का कमरा नहीं खुला, तो परिजनों ने उसे जगाने की कोशिश की। दरवाजा न खुलने पर उन्होंने खिड़की से देखा, जहां पवन का शव पंखे से लटका हुआ था। इसके बाद परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बताया गया है कि पवन कानपुर में नीट (छम्म्) की तैयारी कर रहा था और शुक्रवार को ही घर आया था। युवक ने फांसी क्यों लगाई, इस संबंध में पुलिस गहनता से जांच कर रही है।

व्यक्ति निर्माण की एक प्रमुख प्रक्रिया है संघ की शाखा —प्रांत प्रचारक

संवाददाता—गोरखपुर। व्यक्ति निर्माण के लिए 100 साल पहले डॉ. हेडगेवार ने जिस बीज का बीजारोपण किया था, वह आज वट वृक्ष बन गया है। 100 वर्ष पूर्व डॉ. हेडगेवार ने शाखा शुरू की थी, जो व्यक्ति निर्माण की एक प्रक्रिया है। नियमित शाखा ही संघ की नींव है। शाखा संगम अपनी—अपनी शाखाओं के स्वयंसेवक, पूरे महानगर के निश्चित स्थान पर निश्चित समय एवं निश्चित स्वयंसेवकों की संख्या पर एकत्रीकरण का कार्यक्रम है। उक्त बातें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, उत्तर भाग की तरफ से रविवार को आयोजित शाखा संगम कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता गोरक्ष प्रांत के प्रांत प्रचारक रमेश ने कहीं।

उन्होंने कहा कि 27 सितंबर 1925 में शाखा प्रारंभ हुई तो इतनी बड़ी कल्पना नहीं थी, किन्तु एक बात स्पष्ट थी, संपूर्ण हिन्दू समाज का संगठन करना, साथ ही संगठित समाज को देशभक्त बनाना। भारत समरसता का देश है और यह भाव सिर्फ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की नित्य प्रतिदिन लगने वाली शाखा में ही दिखती है। प्रांत प्रचारक ने कहा कि राष्ट्र के पुनर्निर्माण के लिए 'पंच परिवर्तन' नामक एक पांच—सूत्री योजना पर काम करना शुरू किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में संघ पांच परिवर्तनों के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाना चाहता है। पंच परिवर्तन के रूप में नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव, स्वदेशी भावना और कुटुंब प्रबोधन को लेकर समाज में स्वीकार्यता हुई है। बता दें कि इस कार्यक्रम में कुल 65 शाखाएं आकर्षण का केंद्र थीं, जिसमें कुल 1000 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र सेवा प्रमुख युद्धवीर, प्रांत संघचालक डॉ. महेंद्र अग्रवाल, विभाग प्रचारक अजय नारायण, सेवा प्रमुख रविशंकर, प्रवीण, दुर्गाराय, आशुतोष, मोहित, अनूप, उदय प्रताप, रवि प्रकाश, दुर्गेश, अमरदीप, मुकेश, बिजेश आदि उपस्थित रहे।

शादी कराने का झांसा देकर युवक को बुलाया, बंधक बना सिर मुंडवाया, दो गिरफ्तार

संवाददाता—अयोध्या। शादी कराने का झांसा देकर एक युवक को बुलाने के बाद युवती के रिश्तेदारों ने उसे दोस्तों सहित बंधक बना लिया। मारपीट कर नकदी एवं आभूषण लूटने के बाद अपमानित करने के लिए युवक एवं दोस्तों का सिर मुंडवा दिया। यह घटना नन्थन का पुरवा गांव की है। भुक्तभोगी युवक गोंडा जिले के रहने वाले हैं। युवक की तहरीर पर 11 लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया है। गोंडा निवासी एक युवक का उसी जिले की रहने वाली युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा है। गत दिनों युवती तारुन के नन्थनपुर खपरैला स्थित ननिहाल आई थी। युवती के ननिहाल वालों को उसके प्रेम प्रसंग की बात का बता चला तो उन्होंने युवक को कोर्ट मैरिज कराने के लिए उससे संपत्ति युवती के नाम करने के लिए कहा। युवक ने अपने घरवालों से बात करने की मोहलत मांगी। इसके बाद वह दोस्तों सहित वहां से चला गया। गत 21 मार्च आरोपितों ने पुनरू युवक को फोन किया और कहाकि वह आकर युवती से कोर्ट मैरिज कर लें। विपक्षियों के झांसे में आकर युवक अपने तीन अन्य दोस्तों के साथ कार से नथनपुर पहुंच गया। आरोप है कि सभी को विपक्षियों ने बंधक बना लिया। कई लोगों ने मिलकर युवक एवं उसके दोस्तों की पिटाई की। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने मोबाइल फोन, सोने की अंगूठी और चेन भी छीन ली। आरोपियों ने 1.65 लाख रुपये मंगवाने का दबाव बनाया। अपमानित करने के उद्देश्य से सभी युवकों के सिर के बाल भी कटवा दिए। पीड़ित युवकों ने आरोपितों की ओर मांगे गए रुपये लाने के लिए अपने परिचित से संपर्क किया। उन्होंने नथनपुर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। भनक लगने पर आरोपित भाग निकले। थाना प्रभारी देवेंद्र पांडेय ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है। दो लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। विवेचना में और भी तथ्य सामने आने पर कार्रवाई की जाएगी।

अम्बेडकरनगर पहुंचे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, मां सिद्धेश्वरी मंदिर में हुआ भव्य स्वागत

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। जिले के टांडा तहसील क्षेत्र स्थित गोवर्धनपुर के मां सिद्धेश्वरी मंदिर में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का आगमन हुआ। रविवार को इस अवसर पर श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। शंकराचार्य के आगमन को लेकर मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में भक्त एकत्रित हुए, जिससे पूरे क्षेत्र में एक धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण निर्मित हो गया।

कार्यक्रम के दौरान मंदिर में विशेष पूजा—अर्चना और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। भक्तों ने शंकराचार्य से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस आयोजन में स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे, जो शंकराचार्य के दर्शन और उनके प्रवचन सुनने के लिए पहुंचे थे। अपने संबोधन में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने सनातन धर्म के मूलभूत मूल्यों और आचरण की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म के मार्ग पर चलने वाले प्रत्येक व्यक्ति को सदैव मर्यादा, त्याग और अनुशासन का पालन करना चाहिए। उन्होंने व्यक्तिगत जीवन में सादगी, संयम और उच्च नैतिक मूल्यों को अपनाने पर विशेष बल दिया। शंकराचार्य ने समाज में धार्मिक और आध्यात्मिक जीवन व्यतीत करने वाले व्यक्तियों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे लोगों के आचरण और व्यवहार से ही समाज को सही दिशा और मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

इसलिए, धर्म से जुड़े व्यक्तियों को अपने व्यवहार और कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखते हुए एक आदर्श स्थापित करना चाहिए। इस अवसर पर शंकराचार्य ने आध्यात्मिक जागृति और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल व्यक्तिगत स्तर पर शांति और संतोष मिलता है, बल्कि यह सामुदायिक एकता और सांस्कृतिक विरासत को भी सुदृढ़ करता है। उनका यह दौरा क्षेत्र में धार्मिक चेतना को और अधिक प्रबल करने वाला सिद्ध हुआ।

डीएम ने पेट्रोल, डीजल और गैस आपूर्ति पर की बैठक

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में जनपद में पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस की आपूर्ति के सुचारु संचालन को लेकर एक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक खलीलाबाद स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में हुई, जिसमें इंडियन ऑयल, बीपीसीएल, एचपीसीएल के सेल्स ऑफिसर और आपूर्ति विभाग के अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान, जिलाधिकारी ने सभी सेल्स ऑफिसर को पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए। जिला पूर्ति अधिकारी राजीव कुमार ने जानकारी दी कि जनपद में पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति पूरी तरह से सुचारु है। उन्होंने बताया कि जिले में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। जिलाधिकारी ने समस्त जनपदवासियों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने लोगों से आवश्यकतानुसार ही पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर खरीदने का आग्रह किया, साथ ही अनावश्यक भंडारण से बचने की सलाह दी।

एकादशी पर होने वाली पंचकोसी परिक्रमा में उमड़ी लाखों श्रद्धालुओं की भीड़

संवाददाता—अयोध्या। अयोध्या में एकादशी के पावन अवसर पर होने वाली पंचकोसी परिक्रमा में रविवार को लाखों श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ पड़ी। सुबह से ही लंबी कतारें परिक्रमा मार्ग पर देखने को मिलीं। आसपास के जिलों के साथ—साथ बड़ी संख्या में बिहार से भी श्रद्धालु पहुंचकर परिक्रमा में शामिल हुए। श्रद्धालुओं के लिए परिक्रमा मार्ग पर जगह—जगह पेयजल, चिकित्सा और सुरक्षा की विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। प्रशासन की ओर से पुलिस बल तैनात कर भीड़ को सुचारु रूप से नियंत्रित किया गया। ताकि, श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उल्लेखनीय है कि अयोध्या में बीती 20 मार्च से श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन चल रहा था। शनिवार को इसका विधिवत समापन हुआ। इस धार्मिक आयोजन में भी बिहार सहित विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालु पहुंचे थे।

महायज्ञ के समापन के अगले ही दिन एकादशी पर आयोजित पंचकोसी परिक्रमा में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने परिक्रमा करते हुए भगवान के प्रति आस्था प्रकट की और प्रदेश तथा देश की सुख—समृद्धि की कामना की।

एलपीजी और पेट्रोल संकट के बीच सीमेंट, मौरंग, गिट्टी सरिया के दाम बढ

संवाददाता—अयोध्या। मध्य पूर्व में ईरान अमेरिका और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध के कारण कच्चे तेल और गैस की सप्लाई बाधित होने का असर भवन निर्माण सामग्रियों पर भी पड़ा है। हालांकि भवन निर्माण में लगने वाली सीमेंट, मौरंग, सरिया और गिट्टी से अधिक सेनेट्री उत्पादन महंगे हो गए हैं। युद्ध के करीब 30 दिनों बाद गैस और पेट्रोलियम पदार्थों के मिलने में संकट से महंगाई और बढ़ गई है। खासकर पीवीसी और सीवीसी के पाइप, पानी की टंकी और पीवीसी की टोटियां बहुत महंगी हो गयी हैं। सेनेट्री उत्पादों में करीब 15 से 35 प्रतिशत तक की वृद्धि हो गई है। वहीं गैस किल्लत के कारण भवन को आकर्षक बनाने वाली टाइल्स के दाम भी बढ़ गए हैं।

भवन निर्माण में लगने वाली सामाग्रियों सीमेंट, मौरंग, गिट्टी और सरिया के दामों में पिछले महीने 28 फरवरी से शुरू हुए युद्ध के कुछ दिन बाद दाम स्थिर रहे। लेकिन गैस और पेट्रोल—डीजल की किल्लत के कारण पिछले कुछ दिनों से निर्माण सामग्री महंगी हुई है। हालांकि युद्ध के कारण गैस और पेट्रोलियम पदार्थों की किल्लत का असर मकानों की निर्माण लागत में आया है। शहर के खवासपुरा स्थित एक बिल्डिंग मैटेरियल के फुटकर विक्रेता हैदर कहते हैं कि बाजार में कोई डिमांड ही नहीं है।

जो सीमेंट, मौरंग, गिट्टी और सरिया के दाम एक महीने पहले थे, उसमें तेल मिलने में आरही दिक्कत के कारण पांच से 10 रुपए की ही मामूली वृद्धि इसलिए हुई है कि क्योंकि भाड़ा बढ़ गया है। गैस किल्लत से परेशान लोग भवन निर्माण से अधिक घर के जरूरी काम निपटाने में लगे हैं, जिससे भवन निर्माण का काम एक तरीके से रुका हुआ है। रामपथ पर नहरबाग में भवन निर्माण सामग्री बेचने वाले अनुपम पांडेय कहते हैं कि कुछ दिनों से जब से पेट्रोल—डीजल मिलने की दिक्कत आ रही है, तब से ही बाहर से आने वाले माल पर भाड़ा बढ़ने के कारण बिल्डिंग मैटेरियल के दाम मामूली रूप से बढ़े हैं।

अयोध्या में मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध का असर सेनेट्री उत्पादों के दामों पर सीधा पड़ रहा है। इसका कारण है कि गैस किल्लत और पेट्रोलियम पदार्थों के मिलने में आ रही समस्या के कारण गुजरात और अन्य प्रदेशों में सीपीवीसी और पीवीसी उत्पाद करने वाली कई यूनिटें बंद हो गयी है। सेनेट्री में मुख्य रूप से बाथरूम और टॉयलेट के उपकरण आते हैं, जिसमें सिरेमिक, पोर्सिलेन, एक्रेलिक या स्टेनलेस स्टील से बने होते हैं। इसमें टॉयलेट सीट (वेस्टर्न—इंडियन), वॉश बेसिन, सिस्टर्न (फ्लश टैंक), यूरिनल, बाथटब और शावर ट्रे, पीवीसी और सीवीसी के पाइप तथा पानी की टंकियां भी महंगी हो गयी हैं। इसका असर माल की आवक पर पड़ा भी पड़ रहा है। कंपनियों ने अपने उत्पादों के दामों में 15 से 35 प्रतिशत तक भारी वृद्धि कर दी है। शहर के रिकाबगंज में सेनेट्री सामानों के बेचने वाले व्यापारी अनुराग गुप्ता कहते हैं कि मकान बनाने में नल और प्लंबरिंग का कार्य भी होता है। इसमें सीपीवीसी और पीवीसी के पाइप, पानी की टंकी और ब्रॉस के उत्पाद लगते हैं। लेकिन माल की आवक कम होने और उत्पादन ठप होने के कारण दाम बहुत बढ़ गए हैं। केवल पानी की टंकी के दाम ही एक रुपए प्रति लीटर बढ़ें हैं। इसके अलावा नल और पाइप के दाम भी 15 से 35 प्रतिशत तक बढ़े हैं। मध्य पूर्व में चल रही जंग के कारण पैदा हुई गैस की किल्लत का प्रभाव मकान में लगने वाली टाइल्स उत्पादों पर भी बहुत पड़ा है। गैस संकट के कारण टाइल्स बनाने वाली फैक्ट्रियां बंद हो गयी हैं। इसके कारण बाजार में माल या तो आ नहीं रहा है, और जो माले पुरान स्टाक में है, उसमें भी 15 से 20 तक मूल्य वृद्धि हो गयी है। कसाबबाड़ा में टाइल्स के कारोबारी मो. अहमद कहते हैं कि फर्श पर लगने वाली टाइल्स के दाम पुराना स्टाक और नये स्टाक पर 20 रुपए से लेकर 100 रुपए पेटी बढ़ गया है। जमीन की टाइल बड़ी साइज 550 से लेकर 650 रुपए पेटी बिक रही है। वहीं छोटी टाइल्स 220 से लेकर 240 तक प्रति पेटी है।

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरा क्लाइंट आधार हाऊसिंग फाइनेंस लि० शाखा अयोध्या ब्रान्च आफिस 05/17/171 प्रथम तल शक्तिनगर कालोनी, देवकाली, स्मार्ट बाजार के सामने अयोध्या कि तरफ से सूचित किया जाता है कि चन्द्रवती पत्नी छेदीलाल, निवासी —महराजगंज, बस्ती उ0प्र0—272155 ने एक बैनामा 637.7 वर्ग फिट का स्थित गाटा सं0—364, मौजा— रतास उर्फ कप्तानगंज, तप्पा—नवाई परगना — नगर पश्चिम, तहसील — हरैया — जनपद— बस्ती जिसकी चौहदी — पूरव जमीन मोइन खान, पश्चिम—मकान शगीर, उत्तर जमीन नुजहत परवीन, गुलाम नवी दक्षिण 12 फिट पक्की सड़क, इसको बंधक रखने बैंक अथवा संस्था को प्रश्नगत सम्पत्ति में आपत्ति हो तो इस प्रकाशन के 7 दिन के अन्दर आपत्ति हो तो अधोहस्ताहारी के समक्ष प्रस्तुत कर दे अन्यथा यह मान लिया जायेगा कि किसी भी प्रकार के उपरोक्त संस्था को बंधक रखने में कोई आपत्ति नहीं हैं।

(प्रग्यांशु शुक्ला एडवोकेट)
L.G.F. — 011, निचली भूतल, A1
बिल्डिंग, ब्लाक/ सेक्टर—59, नोएडा
उ0प्र0—201301
मो0—8920298602

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com